आपके पत्र

लाभकारी पत्रिका

विज्ञान प्रगति का जनवरी 2019 का अंक पढ़ने को मिला तथा इस अंक में प्रकाशित वर्ष 2018 की उपलब्धियों के बारे में विभिन्न प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। चीन में जीन एडिटिंग तकनीक द्वारा जीन बेबी का निर्माण ज्ञानवर्धक जानकारी लगी। जल पर कवितायें अच्छी लगीं। सम्पादक और उनके सहयोगियों को शानदार सम्पादन के लिए हार्दिक धन्यवाद।

निश्चित ही यह पत्रिका हमारे युवाओं में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करेगी।

श्री कुलदीप मोहन त्रिवेदी, प्रवक्ता
सरजू देवी माता प्रसाद इंटर कालेज,
बैगाव, पोस्ट-बैगाव,
जिला-उन्नाव 209 825 (उ.प्र.)

रोचक पत्रिका

नववर्ष के साथ ही मैं यही आशा करता हूँ कि इस साल भी विज्ञान प्रगति हमेशा की तरह अपना एक और नया पाठकवर्ग जोड़े। इसके नियमित स्तंभ और लेख पाठक वर्ग को अत्यंत पसंद आ रहे हैं। मुझे इसके अंकों का इंतजार रहता है। इसका सरल और सुलभ वर्णन आमजन को काफी पसंद आ रहा है। विज्ञान की अत्यंत सरलता से प्रस्तुति के कारण बच्चों को भी यह पत्रिका काफी पंसद आ रही है। 6 साल पहले तक विज्ञान प्रगति की पहुंच केवल विज्ञान वर्ग के पाठकों तक सीमित थी, लेकिन अब विज्ञान प्रगति ने 'कला वर्ग' में भी एक नया पाठक वर्ग जोड़ा है। आकर्षक कवर डिजाइन युक्त नवीनता लिए हुए रोचक सारांश सभी को पंसद आ रहा है।

जनवरी 2019 का अंक अत्यंत खास लगा। 'साल 2018 की वैज्ञानिक उपलब्धियों' से सुसज्जित यह अंक बहुत पंसद आया।

श्री नितीश जयपाल

उपयोगी पत्रिका

विज्ञान प्रगति जनवरी 2019 के अंक से बहुत-सी नयी और उपयोगी जानकारियाँ मिली। 'पर्यावरण प्रदूषण से जूझते बुग्याल' में बुग्यालों के विषय में पढ़ा। नवीन प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत वैज्ञानिक नवाचार के आलेख भी अच्छे लगे। आभास मुखर्जी के लेख 'मोबाइल संचार की अगली पीढ़ी 5जी' ने चौंका दिया कि अब 5जी आने से मोबाइल प्रौद्योगिकी में एक आश्चर्यजनक क्रांति आएगी, जिससे पूरी दुनिया अभी जो एक मुट्ठी में है, अब ऊँगलियों पर थिरकने लगेगी।

श्री गुलाबचन्द वात्सल्य
विकास प्रिन्टर्स, बुधवारी,
छिन्दवाड़ा 480 001 (म.प्र.)
[मो. : 07162247734; 09424886400]

परीक्षा हेतु विचार

वार्षिक परीक्षाएं समीप हैं। प्रतियोगिता हेतु परीक्षाएं पूरे वर्ष चलती रहती हैं। किसी भी माध्यम से पढ़ें, लेकिन पढ़े हुए को कागज पर पेन से लिखकर देख लें। नहीं लिख पा रहे हैं, तो दोबारा पढ़कर लिखें। लिखने से बिना रटे याद हो जाएगा। एक बार पढ़ने के पश्चात् 15 मिनट में लिखें। दुबारा पढ़कर 15 मिनट में लिखें। दो बार पढ़कर लिखने में मात्र ढाई घंटे में अध्याय याद हो जाएगा। इस प्रकार 75 प्रतिशत समय की बचत सर्वश्रेष्ठ उपाय है पढ़ाई का ऐसा मेरा मानना है। (ये विचार व अनुभव लेखक के हैं)।

श्री दिलीप भाटिया
372/201, न्यू मार्केट,
रावतभाटा 323 307 (राजस्थान)
[मो. : 09461591498]

(फार्म IV)

विज्ञान प्रगति के स्वामित्व और प्रकाशन से संबंधित सूचना प्रपत्र

(नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन का स्थान	नई दिल्ली
2.	प्रकाशन की अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम व राष्ट्रीयता पता	डॉ. मनोज कुमार पटैरिया, भारतीय सीएसआईआर - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान डॉ के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली 110012
4.	प्रकाशक का नाम व राष्ट्रीयता पता	डॉ. मनोज कुमार पटैरिया, भारतीय सीएसआईआर - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान डॉ के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली 110012
5.	संपादक का नाम व राष्ट्रीयता पता	डॉ. बालकराम, भारतीय सीएसआईआर - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान डॉ के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली 110012
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्रिका के स्वामी, साझेदार और शेयर होल्डर हों, जो कुल पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हों।	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) का प्रकाशन

मैं घोषणा करता हूँ कि उक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास में सत्य है।

हस्ताक्षर
(डॉ. मनोज कुमार पटैरिया)
प्रकाशक

1 मार्च, 2019